भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2948
दिनांक 18 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

नकली दूध का उत्पादन

2948. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:

श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों सहित देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए मवेशियों के लिए चारागाह भूमि क्षेत्र में कमी के कारण नकली दूध उत्पादों का उत्पादन बहुतायत में हो रहा है;

(ख) क्या सरकार का पशुपालन और दूध उत्पादन के लिए कोई नई नीति बनाने का विचार है और यदि हां, तो राज्यवार और संभाजीनगर जिले सहित जिलावार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का डेयरी फार्मिंग से जुड़ने के इच्छुक उद्यमियों को प्रशिक्षण देने के लिए कोई योजना बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन उद्यमियों को दूध उत्पादन इकाइयां स्थापित करने में सक्षम बनाने के लिए सरकार की योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) पशुपालन एवं डेयरी विभाग के पास कोई विशिष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और भारत सरकार की अन्य पहलों के परिणामस्वरूप पिछले दशक में दूध उत्पादन में 63.5% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014-15 में 146.31 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 239.3 मिलियन टन हो गया है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता वर्ष 2014-15 में 319 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 471 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन हो गई है, जो 47.64% की वृद्धि दर्शाती है। महाराष्ट्र में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 9.54 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 16.04 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है , जो 68.13 % है और राज्य में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 225 ग्राम/प्रति व्यक्ति/दिन से बढ़कर 347 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन हो गई है, जो 54.22% है। मध्य प्रदेश में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 10.8 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 21.32 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है, जो 97.40% की वृद्धि है और राज्य में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 387 ग्राम/प्रति व्यक्ति/प्रतिदिन से बढ़कर 673 ग्राम प्रति व्यक्ति/प्रतिदिन हो गई है, जो 73.90% की वृद्धि है।

(ग) और (घ) पशुपालन और डेयरी विभाग राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत डेयरी व्यवसाय में लगे किसानों और दूध उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। विभाग ने उद्यमियों, किसानों और अन्य हितधारकों के कौशल को बढ़ाने के लिए कौशल विकास रुपरेखा भी तैयार की है। यह पहल व्यक्तियों को नवीनतम ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सशक्त बनाकर यह सुनिश्चित कर रही है कि पशुधन क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बना रहे। उद्यमी, नस्ल सुधार तकनीक की स्थापना सहित डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन इकाइयों के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) के तहत सहायता प्राप्त कर रहे हैं।

*****